स्वतन्त्रता का नकारात्मक दृष्टिकोण (Negative View of Liberty)

स्वतन्त्रता के नकारात्मक दृष्टिकोण का सबसे अधिक प्रमुख रूप में प्रतिपादन जे. एस. मिल के द्वारा 1859 ई. में प्रकाशित अपने निबन्ध 'स्वतन्त्रता' (On Liberty) में किया गया है। मिल के अनुसार, 'व्यक्ति के जीवन में राज्य का न्यूनतम हस्तक्षेप और अधिकतम सम्भव सीमा तक व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार जीवन व्यतीत करने की छूट' ही स्वतन्त्रता है और यह इसे अपनाने पर बल देता है। मिल व्यक्ति-स्वातन्त्र्य की इस स्थिति का प्रबलतम समर्थक है और उसने व्यक्ति-स्वातन्त्र्य के दो पहलुओं पर बल दिया है: विचार स्वातन्त्र्य और कार्य स्वातन्त्र्य। मिल के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति को विचार और अभिव्यक्ति की पूर्ण स्वतन्त्रता प्राप्त होनी चाहिए तथा राज्य के द्वारा किसी भी प्रकार की विचारधारा या भावाभिव्यक्ति पर कोई बन्धन नहीं लगाया जाना चाहिए।

कार्य स्वातन्त्र्य के प्रसंग में, मिल मानव कार्यों को दो भागों में विभाजित करता है।

(i) स्व-विषयक (self-regarding) अर्थात् व्यक्ति के व्यक्तिगत जीवन से सम्बन्धित।

(ii) पर-विषयक (others-regarding) अर्थात् ऐसे कार्य, जिनका प्रभाव समाज के अन्य व्यक्तियों के जीवन पर पड़ता है।

मिल का कथन है कि स्व-विषयक कार्यों में व्यक्ति को पूर्ण स्वाधीनता प्राप्त होनी चाहिए, लेकिन पर-विषयक कार्यों में व्यक्ति की स्वतन्त्रता सीमित होती है, क्योंकि उसके कार्यों से समाज के अन्य व्यक्ति की स्वतन्त्रता में बाधा पहुंचती हो। इस प्रकार, मिल व्यक्ति के जीवन पर 'न्यूनतम प्रतिबन्धों की स्थिति' को स्वतन्त्रता का नाम देते हुए स्वतन्त्रता के नकारात्मक दृष्टिकोण का प्रतिपादन करता है। पुनः आज की परिस्थितियों में मिल की इस स्वतन्त्रता को वास्तविक स्वतन्त्रता नहीं कहा जा सकता है।

Avimash

Scanned with CamScanner

स्वतंत्रता पर हर्बर्ट स्पेंसर का विचार - स्पेंसर, स्वतंत्रता के नकारात्मक सिद्धांत के सबसे प्रबल समर्थक हैं व राज्य को स्वतंत्रता का विरोधी मानते है। उनका राज्य पुलिस राज्य है, जिसके केवल दो कार्य है। बाहरी आक्रमणों से सुरक्षा और आंतरिक व्यवस्था बनाए रखना। इसके अतिरिक्त राज्य जो भी कार्य करेगा, उससे व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन होगा।

स्वतंत्रता पर एडम स्मिथ और डेविड रिकार्डो का विचार -

एडम स्मिथ और डेविड रिकार्डो आर्थिक क्षेत्र में यथेच्छाचारी सिद्धांत का समर्थन करते है। वे भूमि, श्रम और पूंजी पर निजी स्वामित्व चाहते हैं तथा राज्य द्वारा आर्थिक क्रियाओं के परिचालन में किसी प्रकार के हस्तक्षेप का विरोध करते है।

नकारात्मक स्वतंत्रता (Negative Liberty)

- प्रत्येक प्रकार का प्रतिबंध बुरा है।
- चयन की स्वतंत्रता।
- निजी क्षेत्र में किसी प्रकार के हस्तक्षेप का अभाव।
- व्यक्ति विवेकशील है तथा व्यक्ति को अकेला छोड़ दिया जाए।
- नकारात्मक स्वतंत्रता के प्रमुख समर्थकों में बेंथम, जे.एस. मिल, बर्लिन, फ्रीडमैन, डी. टॉकविले, स्पेंसर, एडम स्मिथ, रिकार्डो, हैयक एवं नॉजिक प्रमुख है।
- नकारात्मक स्वतंत्रता के अन्य मान्यताकारों में हॉब्स, लॉक, लॉर्ड एक्टन, मॉन्टेस्क्यू, एलेक्सी डी. टॉकविले, माइकेल ओकशॉट प्रमुख हैं।
- स्पेंसर के अनुसार, राज्य इसलिए विद्यमान है, क्योंकि समाज में अपराध विद्यमान है। यदि समाज में अपराध नहीं होगा, तो राज्य की आवश्यकता नहीं होगी।
- हर्बर्ट स्पेंसर की रचना - Man versus state (1884) है।
- वॉल्टेयर के अनुसार, मैं आपके विचारों से असहमत हो सकता हूं लेकिन मरते दम तक आपके अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा करूंगा।

Pinkey

- प्रत्येक व्यक्ति को खुला छोड़ देना ही स्वतंत्रता है। (अर्थात् प्रतिबंधात्मक सत्ता का अभाव ही स्वतंत्रता है)

स्वतंत्रता पर बर्लिन (Isaiah Berlin) का विचार —

- बर्लिन की रचना - Two concepts of liberty (1958) है।
- सकारात्मक स्वतंत्रता को मानने के परिणामस्वरूप निरंकुशतात्मक व्यवस्था का जन्म होता है। सकारात्मक स्वतंत्रता की संकल्पना में सामाजिक आत्मनियंत्रण का विस्तार हो जाता है। जिसके अनुसार राज्य का हस्तक्षेप व्यक्ति की स्वतंत्रता में सहायक होता है। बर्लिन के अनुसार सकारात्मक स्वतंत्रता के अंतर्गत व्यक्ति राज्य का दास बन जाता है या उसके जीवन के प्रत्येक भाग पर राज्य का नियंत्रण स्थापित हो जाता है।
- जिसे हम स्वतंत्रता कहते है, वह स्वतंत्रता की परिस्थितियां है, स्वतंत्रता नहीं।
- स्वतंत्रता का आशय, प्रतिबंधों के अभाव से है।

स्वतंत्रता पर मिल्टन फ्रीडमैन (नव - उदारवादी)

- मिल्टन फ्रीडमैन ने अपनी पुस्तक Capitalism and Freedom (1962) में नकारात्मक स्वतंत्रता की संकल्पना का प्रतिपादन किया।
- स्वतंत्रता का आशय, एक व्यक्ति पर उसके सहयोगी व्यक्ति द्वारा बाध्यता या बल प्रयोग का अभाव है।

Avinash